

हरियाणा सरकार

सामान्य प्रशासन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 4 दिसम्बर, 1992

सं० सा० का० नि० 88/सचि/अनु० 309/92.— भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा हरियाणा राजभवन हाऊस होल्ड स्थापना (ग्रुप-ग) सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती और सेवा की शर्तों को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं

अर्थात् :—

1. ये नियम हरियाणा राजभवन हाऊस होल्ड स्थापना (ग्रुप-ग) सेवा नियम, 1992 संक्षिप्त नाम।
कहे जा सकते हैं।

2. इन नियमों में जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

परिभाषाएं।

(क) "बोर्ड" से अभिप्राय है, अधिनस्थ सेवायें प्रकरण बोर्ड;

(ख) "सीधी भर्ती" से अभिप्राय है, कोई भी नियुक्ति जो सेवा में से पदोन्नति या सरकार या किसी राज्य सरकार की सेवा में पहले से लगे ही किसी पदधारी के स्थानांतरण से अन्यथा की गई हो;

(ग) "सरकार" से अभिप्राय है, प्रशासनिक विभाग में हरियाणा सरकार;

(घ) "सचिव राज्यपाल" से अभिप्राय है, हरियाणा के राज्यपाल के सचिव;

(ङ) "संस्था" से अभिप्राय है :—

(i) हरियाणा राज्य में लागू विधि द्वारा स्थापित कोई संस्था; या

(ii) इन नियमों के प्रयोजन के लिये सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोई अन्य संस्था;

(च) "मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय" से अभिप्राय है,—

(i) भारत में विधि द्वारा निर्गमित कोई विश्वविद्यालय; या

(ii) 15 अगस्त, 1947 से पूर्व हुई परीक्षा के परिणाम स्वरूप प्राप्त उपाधि, उपाधि पत्र (डिप्लोमा) या प्रमाण-पत्र की दशा में पंजाब, सिंध या ढाका विश्वविद्यालय; या

(iii) कोई अन्य विश्वविद्यालय, जो इन नियमों के प्रयोजन के लिये सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय घोषित किया गया हो;

(घ) "सेवा" से अभिप्राय है, हरियाणा राजभवन हाऊस होल्ड स्थापना (ग्रुप-ग) सेवा।

भाग-II सेवा में भर्ती

पदों की संख्या तथा स्वरूप।

3. सेवा में इन नियमों के परिशिष्ट "क" में बताये गए पद होंगे :

परन्तु : न नियमों की कोई भी बात ऐसे पदों की संख्या में वृद्धि या कमी करने या विभिन्न पदनामों और वेतनमानों वाले नये पद स्थायी अथवा अस्थायी रूप से बनाने के सरकार के अर्तनिहित अधिकार पर प्रभाव नहीं डालेगी।

सेवा में नियुक्त उम्मीदवारों की राष्ट्रियता, अधिवास तथा चरित्र।

4. (1) कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक कि वह निम्नलिखित न हो,--

(क) भारत का नागरिक; या

(ख) नेपाल की प्रजा; या

(ग) भूटान की प्रजा; या

(घ) तिब्बत का शरणार्थी, जो पहली जनवरी, 1962, से पहले भारत के स्थायी रूप से बसने के आशय से आया हो; या

(ङ) भारतीय मूल का व्यक्ति, जो पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, तथा क्रीनिया, युगांडा, तंजानिया के संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजोबार) जाम्बिया, मलवावी, जाम्बे और थोपिया के किसी पूर्वी अफ्रीकी देश से प्रवासित होकर भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से आया हो;

परन्तु प्रवर्ग (ख), (ग), (घ) या (ङ) से सम्बन्धित व्यक्ति ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पक्ष में सरकार द्वारा पात्रता का प्रमाण पत्र जारी किया गया हो।

(2) कोई भी व्यक्ति जिसकी दशा में पात्रता का प्रमाण पत्र आवश्यक हो, बोर्ड या किसी अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा संचालित परीक्षा या साक्षात्कार के लिए प्रविष्ट किया जा सकता है किन्तु नियुक्ति का प्रस्ताव उसे सरकार द्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण पत्र जारी किये जाने के बाद दिया जा सकता है।

(3) कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी पद पर सीवी में द्वारा नियुक्त किया जायेगा, जब तक कि वह अन्तिम उपस्थिति के विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय या संस्था के यदि कोई हो, प्रधान शैक्षणिक अधिकारी से चरित्र प्रमाण-पत्र और दो ऐसे अन्य जिम्मेदार

व्यक्तियों से, जो उसकी सम्बन्धी न हों, किन्तु उसके व्यक्तिगत जीवन में उससे भली भाँति परिचित हों और जो उसकी विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय, या संस्था से सम्बन्धित न हों, उसी प्रकार के प्रमाण पत्र प्रस्तुत न करें।

5. कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त नहीं किया जायेगा जो सेवा में प्रवेशन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि को सत्रह वर्ष की आयु से कम या पैंतीस वर्ष की आयु से अधिक का हो।

आयु।

6. सेवा में पदों पर नियुक्तियाँ सचिव, राज्यपाल द्वारा की जायेंगी।

नियुक्ति
प्राधिकारी।

7. कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी भी पद पर तब तक नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक कि वह सीधी भर्ती की दशा में, इन नियमों के परिशिष्ट "ख" के खाना-2 में विनिर्दिष्ट तथा सीधी भर्ती से अन्यथा भर्ती की दशा में, पूर्वोक्त परिशिष्ट के खाना-3 में विनिर्दिष्ट अर्हताएं तथा अनुभव न रखता हो :

अर्हताएं।

परन्तु सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति की दशा में अनुभव सम्बन्धी अर्हताओं में बोर्ड या अन्य भर्ती प्राधिकरण के विवेक पर 50 प्रतिशत की सीमा तक ढील दी जायेगी। यदि अनुसूचित वर्गियों, पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों तथा शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों में अयोग्य अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों की पर्याप्त संख्या उनके लिये आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए उपलब्ध न हो। ऐसा करने के लिये लिखित रूप में कारण दिये जायेंगे।

8. कोई भी व्यक्ति.—

निरर्हताएं।

(क) जिसने जीवित पति/पत्नी वाले व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह की संविदा कर ली है; या

(ख) जिसने पति/पत्नी के जीवित होते हुए किसी अन्य व्यक्ति से विवाह कर लिया हो या विवाह की संविदा कर ली है, सेवा में किसी भी पद पर नियुक्त का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि सरकार की संतुष्टि हो जाये कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू स्वीय विधि के अधीन ऐसा विवाह अनुज्ञेय है तथा ऐसा करने के लिए अन्य आधार भी हैं तो यह किसी भी व्यक्ति को इस नियम के लागू होने से छूट दे सकती है।

9. (1) सेवा में भर्ती निम्नलिखित ढंग से की जायेगी—

भर्ती का ढंग।

(क) सहायक की दशा में,—

(i) लिपिकों में से पदोन्नति द्वारा; या

(ii) किसी राज्य सरकार अथवा भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी कर्मचारी के स्थानांतरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा;

(ख) वरिष्ठ वेतनमान आशुलिपिकों की दशा में,—

किसी राज्य सरकार अथवा भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी कर्मचारी के स्थानांतरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा;

(ग) चालक की दशा में—

(i) मोटर क्लीनर में से पदोन्नति द्वारा; या

(ii) सीधी भर्ती द्वारा; या

(iii) किसी राज्य सरकार अथवा भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी कर्मचारी के स्थानांतरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा।

(घ) लिपिक/भंडारी की दशा में—

(i) ग्रुप या ग्रुप घ कर्मचारियों में से पदोन्नत द्वारा 20 प्रतिशत से अधिक नहीं; या

(ii) सीधी भर्ती द्वारा; या

(iii) किसी राज्य सरकार अथवा भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी कर्मचारी के स्थानांतरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा;

(2) सभी पदोन्नतियां जब तक अन्यथा उपबन्धित न हो, ज्येष्ठता एवं योग्यता के आधार पर की जायेंगी और केवल ज्येष्ठता ही ऐसी पदोन्नतियों के लिये अधिकार नहीं देगी।

परिबीक्षा ।

10. (1) सेवा में किसी भी पद पर नियुक्त व्यक्ति, यदि वह सीधे भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो तो दो वर्ष की अवधि के लिये और यदि अन्यथा नियुक्त किया गया हो तो एक वर्ष की अवधि के लिये परिबीक्षा पर रहेगा :

परन्तु—

(क) ऐसी नियुक्ति के बाद किसी अनुरूप या उच्चतर पद पर प्रतिनियुक्ति पर व्यतीत की गई कोई अवधि परिबीक्षा की अवधि में गिनी जायेगी;

(ख) स्थानांतरण द्वारा किसी नियुक्ति की दशा में सेवा में किसी पद पर नियुक्ति से पहले किसी समकक्ष अथवा उच्चतर पद पर किये गये कार्य की कोई अवधि, नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर इस नियम के अखीन निम्न परिबीक्षा अवधि की ओर गिनने दी जा सकती है; और

(ग) स्थानापन्न नियुक्ति की कोई अवधि परिवीक्षा पर व्यतीत की गई अवधि के रूप में गिनी जायेगी, किन्तु कोई भी व्यक्ति जिसने ऐसे स्थानापन्न रूप में कार्य किया है, परिवीक्षा की विहित अवधि पूरी होने पर, यदि वह किसी स्थायी पद पर नियुक्त न किया गया हो, पुष्ट किये जाने का हकदार नहीं होगा।

(2) यदि नियुक्ति प्राधिकारी की राय में परिवीक्षा की अवधि के दौरान किसी व्यक्ति का कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो, तो वह,—

(क) यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो तो उसे उसकी सेवाओं से अलग कर सकता है; और

(ख) यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्त किया गया हो तो—

(i) उसे उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है; या

(ii) उसके सम्बन्ध में किसी ऐसी अन्य रीति में कार्रवाई कर सकता है जो उसकी पूर्व नियुक्ति के निबन्धन और शर्तों अनुज्ञात करें।

(3) किसी व्यक्ति की परिवीक्षा अवधि पूरी होने पर, नियुक्ति प्राधिकारी;

(क) यदि उसकी राय में उसका कार्य तथा आचरण संतोषजनक रहा हो तो—

(i) ऐसे व्यक्ति को, यदि वह स्थायी रिक्ति पर नियुक्त किया गया हो उसकी नियुक्ति की तिथि से पुष्ट कर सकता है; या

(ii) ऐसे व्यक्ति को, यदि वह किसी अस्थायी रिक्ति पर नियुक्त किया गया हो, स्थायी रिक्ति होने की तिथि से पुष्ट कर सकता है; या

(iii) यदि कोई स्थायी रिक्ति न हो, तो घोषित कर सकता है कि उसने अपनी परिवीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से पूरी कर ली है; या

(ख) यदि उसका कार्य या आचरण उसकी राय में संतोषजनक न रहा हो तो —

(i) यदि वह सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो तो उसके सेवा से अलग कर सकता है, यदि अन्यथा नियुक्त किया गया हो तो उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है या उसके सम्बन्ध में ऐसी अन्य रीति में कार्रवाई कर सकता है जो उसकी पूर्व नियुक्ति के निबन्धन तथा शर्तों अनुज्ञात करें; या

(ii) उसकी परिवीक्षा अवधि बढ़ा सकता है और उसके बाद ऐसे आदेश कर सकता है जो वह परिवीक्षा की प्रथम अवधि की समाप्ति पर कर सकता था।

परन्तु परिलोका की कुल अवधि, जिसमें बढ़ाई गई अवधि भी, यदि हो, शामिल है, तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।

ज्येष्ठता।

11. सेवा के सदस्यों की परस्पर ज्येष्ठता किसी भी पद पर उनके लगातार सेवाकाल के अनुसार निश्चित की जायेगी :

परन्तु जहां सेवा में विभिन्न संवर्ग हो, वहां प्रत्येक संवर्ग के लिये ज्येष्ठता अलग-अलग निश्चित की जायेगी :

परन्तु यह और कि सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त उदस्थों की दशा में ज्येष्ठता नियत करते समय बोर्ड द्वारा निश्चित योग्यता क्रम को परिवर्तित नहीं किया जायेगा :

परन्तु यह और कि एक ही तिथि को नियुक्त दो या तो से अधिक सदस्यों की दशा में, उसकी ज्येष्ठता निम्नलिखित रूप से निश्चित की जायेगी :

(क) सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त सदस्य, पदोन्नति या स्थानांतरण द्वारा नियुक्त सदस्य से ज्येष्ठ होगा ;

(ख) पदोन्नति द्वारा नियुक्त सदस्य, स्थानांतरण द्वारा नियुक्त सदस्य से ज्येष्ठ होगा ;

(ग) पदोन्नति द्वारा अथवा स्थानांतरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में ज्येष्ठता ऐसी नियुक्तियों में, ऐसे सदस्यों की ज्येष्ठता के अनुसार निश्चित की जायेगी, जिनसे वे पदोन्नत या स्थानांतरित किये गये थे ; और

(घ) विभिन्न संवर्गों से स्थानांतरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में, उनकी ज्येष्ठता वेतन के अनुसार निश्चित की जायेगी, अधिमान ऐसे सदस्यों को दिया जायेगी जो अपनी पहले की नियुक्ति में उच्चतर दर पर वेतन से रहा था, और यदि मिलने वाले वेतन की दर भी समान हो तो उनकी नियुक्तियों से उनके सेवाकाल के अनुसार, और यदि सेवाकाल भी समान हो तो आयु में बड़ा सदस्य आयु में छोटे सदस्य से ज्येष्ठ होगा।

सेवा करने का
वायित्व।

12. (1) सेवा का कोई भी सदस्य, नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा हरियाणा राज्य में अथवा उसके बाहर किसी भी स्थान पर सेवा करने के लिये आदेश दिये जाने पर ऐसा करने के लिये बाध्य होगा।

(2) सेवा के किसी सदस्य की सेवा के लिये निम्नलिखित के अधीन भी प्रतिनियुक्त किया जा सकता है, —

(i) कोई कम्पनी, संगम या व्यक्ति-निकाय, चाहे वह निर्गमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण अथवा अधिकांश स्वामित्व या नियंत्रण राज्य सरकार के या

है, या हरियाणा राज्य के भीतर, नगर निगम या स्थानीय प्राधिकरण अथवा विश्वविद्यालय;

(ii) केन्द्रीय सरकार या ऐसी कम्पनी, संगम या व्यष्टि-निकाय, चाहे वह निगमित हो या नहीं जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियंत्रण केन्द्रीय सरकार के पास हो; या

(iii) कोई अन्य राज्य सरकार, अंतर्राष्ट्रीय संगठन स्वायत्त निकाय जिसका नियंत्रण सरकार के पास न हो अथवा गैर सरकारी निकाय :

परन्तु सेवा के किसी भी सदस्य को उसकी सहमति के बिना खण्ड (ii) तथा खण्ड (iii) में निर्दिष्ट केन्द्रीय या किसी अन्य राज्य सरकार या किसी संगठन या निकाय की सेवा के अधीन प्रतियुक्ति नहीं किया जायेगा।

13. वेतन, छुट्टी, पेंशन तथा सभी अन्य मामलों के सम्बन्ध में, जिनका इन नियमों में स्पष्ट रूप से उपबंध नहीं किया गया है, सेवा के सदस्य ऐसे नियमों तथा विनियमों द्वारा नियंत्रित होंगे जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा भारत के संविधान के अधीन तथा राज्य विधान मण्डल द्वारा बनाई गई तथा उस समय लागू किसी विधि के अधीन अपनाए या बनाए गये हों अथवा इसके बाद अपनाये या बनाये जायें।

वेतन, छुट्टी, पेंशन तथा अन्य मामले।

14. (1) अनुशासन, शास्तियां, तथा अपीलें से सम्बंधित मामलों में सेवा के सदस्य समय-समय पर यथा संशोधित हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 1987, द्वारा नियंत्रित होंगे :

अनुशासन, शास्तियां तथा अपीलें।

परन्तु ऐसी शास्तियों का स्वरूप, जो लगाई जा सकती है, ऐसी शास्तियां लगाने के लिए सशक्त प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अधीन बनाई गई किसी विधि या नियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुये वे होंगे जो इन नियमों के परिशिष्ट (ग) में विनिर्दिष्ट है।

(2) हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 1987 के नियम 9 के उप नियम (1) के खण्ड (ग) या खण्ड (घ) के अधीन आदेश करने के लिये सक्षम प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी भी वहीं होगा जो इन नियमों के परिशिष्ट (घ) में विनिर्दिष्ट है।

15. सेवा का प्रत्येक सदस्य जब भी सरकार किसी विशेष या साधारण आदेश द्वारा ऐसा निदेश करे टीका लगावायेगा तथा पुनः टीका लगवायेगा।

टीका लगवाना।

16. सेवा के प्रत्येक सदस्य से, जब तक उसने पहले ही भारत के प्रति तथा विधि द्वारा यथा स्थापित भारत के संविधान के प्रति राजनिष्ठा की शपथ न ले ली हो, ऐसा करने की अपेक्षा की जायेगी।

राजनिष्ठा की शपथ।

विशेष उपबंध ।

17. इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी नियुक्ति प्राधिकारी, यदि वह नियुक्ति आदेश में विशेष निबंधन तथा शर्तें लगाना उचित समझे, तो ऐसा कर सकता है ।

ढील देने की शक्ति ।

18. जहां सरकार की राय में इन नियमों के किसी उपबंध में ढील देना आवश्यक या उचित हो, वहां वह कारण लिखकर आदेश द्वारा व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में ऐसा कर सकती है ।

आरक्षण ।

19. इन नियमों में दी गई कोई बात राज्य सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों, के अनुसार अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों तथा अन्य विकलांग व्यक्तियों या व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग को दिये जाने वाले अपेक्षित आरक्षणों तथा अन्य रियायतों को प्रभावित नहीं करेगी :

परन्तु इस प्रकार किये गये आरक्षणों की कुल प्रतिशतता किसी भी समय पचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगी ।

निरस्त तथा यत्ति ।

20. सेवा को लागू कोई नियम तथा इन धर्मों में से किसी के अनुरूप कोई नियम, जो इन नियमों के आरम्भ के तुरन्त पहले लागू हो, इसके द्वारा निरस्त न किया गया है :

परन्तु इस प्रकार निरस्त नियमों के अधीन किया गया कोई आदेश या की गई कोई कार्यवाही इन धर्मों के अनुरूप उपबंधों के अधीन किया गया आदेश अथवा की गई कार्यवाही समझी जायेगी ।

परिशिष्ट "क"
(देखिये नियम 3)

क्रम संख्या	पद नाम	पदों की संख्या		जोड़	वेतनमान
		स्थायी	अस्थायी		
1	2	3	4	5	6
					रुपये
1.	सहायक	1	1	2	1,400—40—1,600—50—2,300-द०रो०—60—2,600 रु० जमा 60 रु० विशेष वेतन
2.	वरिष्ठ वेतनमान प्राशुलिपिक	—	1	1	1,400—40—1,600—50—2,300-द०रो०—60—2,600 रु० जमा 60 रु० विशेष वेतन
3.	चालक	4	—	4	1,200—30—1,560—द०रो०—40—2,040 रु० जमा 300 रु० विशेष वेतन
4.	लिपिक	1	—	1	950—20—1,150-द०रो०—25—1,500 रु० जमा 40 रु० विशेष वेतन
5.	भण्डारी	1	—	1	850—20—1,150-द०रो०—25—1,500 रु० जमा 40 रु० विशेष वेतन

परिशिष्ट "ख"
[देखिये नियम 7]

क्रम संख्या	पद नाम	सीधी भर्ती के लिए शैक्षणिक अर्हताएं तथा अनुभव, यदि कोई हो	सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्ति के लिए शैक्षणिक अर्हताएं तथा अनुभव, यदि कोई हो
1	2	3	4
1	सहायक	—	लिपिक के रूप में तीन वर्ष की सेवा ;
2	वरिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक	—	(i) कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में एक वर्ष का अनुभव ; (ii) 80 शब्द प्रति मिनट की गति से हिन्दी आशु-लिपि और 15 शब्द प्रति मिनट की गति से उसके प्रतिलेखन की और 100 शब्द प्रति मिनट की गति से अंग्रेजी आशुलिपि और 20 शब्द प्रति मिनट की गति से उसके प्रतिलेखन की परीक्षा पास की हो।
3	चालक	मिडल पास होना चाहिये तथा वाहन चलाने के पांच वर्ष के वास्तविक अनुभव सहित भारी वाहन तथा हल्के वाहन को चलाने की अनुशक्ति रखता हो, स्वस्थ शरीर तथा सामान्य दृष्टि रखने वाला हो	(i) मोटर क्लीनर के रूप में पांच वर्ष का अनुभव ; और (ii) भारी वाहन तथा हल्के वाहन को चलाने की अनुशक्ति रखता हो।

1	2	3	4
4	लिपिक	<p>(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से मैट्रिक प्रथम श्रेणी/उच्चतर माध्यमिक द्वितीय श्रेणी/इन्टरमीडियेट द्वितीय श्रेणी/स्नातक या इसके समकक्ष ; और</p> <p>(ii) मैट्रिक स्तर तक हिन्दी का ज्ञान ; भूतपूर्व सैनिकों के लिये मैट्रिक या सेना में पंद्रह वर्ष की सेवा तथा प्रथम श्रेणी सेवा प्रमाण-पत्र ।</p>	<p>(i) मैट्रिक ; तथा</p> <p>(ii) ग्रुप ग या ग्रुप घ कर्मचारी के रूप में पांच वर्षों का अनुभव जिसका वेतनमान उस लिपिक के वेतनमान से कम हो या इस रूप में संयुक्त अनुभव ।</p>
5.	भण्डारी	<p>(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से मैट्रिक प्रथम श्रेणी/उच्चतर माध्यमिक द्वितीय श्रेणी/इन्टरमीडियेट द्वितीय श्रेणी/स्नातक या उसके समकक्ष ; और</p> <p>(ii) मैट्रिक स्तर तक हिन्दी का ज्ञान ; भूतपूर्व सैनिकों के लिए मैट्रिक या सेना में पन्द्रह वर्ष की सेवा तथा प्रथम श्रेणी सेवा प्रमाण-पत्र ।</p>	<p>(i) मैट्रिक ; तथा</p> <p>(ii) ग्रुप ग या ग्रुप घ कर्मचारी के रूप में पांच वर्षों का अनुभव जिसका वेतनमान उस लिपिक के वेतनमान से कम हो या इस रूप में संयुक्त अनुभव ।</p>

परिशिष्ट "ग"

[देखिये नियम 14 (1)]

क्रम संख्या	पदनाम	नियुक्ति प्राधिकारी	शास्ति का स्वरूप	शास्ति लगाने के लिए सशक्त प्राधिकारी	अपील प्राधिकारी	द्वितीय तथा अन्तिम अपील प्राधिकारी
1	2	3	4	5	6	7
1.	सहायक	सचिव, राज्यपाल	छोटी शास्तियां—	सचिव, राज्यपाल	सरकार	—
2.	वरिष्ठ वेतनमान आशु लिपिक		(i) वैयक्तिक फाईल (आवरण पंजी) पर प्रति रखते हुए चेतावनी ;			
3.	चालक		(ii) परनिन्दा ;			
4.	लिपिक		(iii) पदोन्नति रोकना ;			
5.	भण्डारी		(iv) उपेक्षा या आदेशों के उल्लंघन द्वारा केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार को या ऐसी कम्पनी तथा संगम तथा व्यक्ति निकाय, चाहे वह निगमित हो या नहीं जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियंत्रण सरकार के पास है या संसद् या राज्य विधान मंडल के अधिनियम द्वारा स्थापित किसी स्थानीय प्राधिकरण या विश्वविद्यालय को हुई धन सम्बन्धी			

1	2	3	4	5	6	7
			पूरी हानि की या उसके भाग की वेतन से बसूली ;			
		(v)	वेतन वृद्धियां रोकना ;			
		(2)	बड़ी शास्तियां—			
		(vi)	किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिये समय-मान में निम्नतर प्रक्रम पर अवनति ऐसे अतिरिक्त निदेशों सहित कि क्या सरकारी कर्मचारी ऐसी अवनति की अवधि के दौरान वेतन वृद्धियां अर्जित करेगा या नहीं और क्या ऐसी अवधि की समाप्ति पर ऐसी अवनति उसकी भावी वेतन वृद्धियां स्पष्ट करने का प्रभाव रखेगी या नहीं ;			
		(vii)	निम्नतर वेतनमान, ग्रेड, पद या सेवा पर ऐसी अवनति जो सरकारी कर्मचारी के उस समय वेतनमान, ग्रेड, पद या सेवा पर जिससे वह अवनत किया गया था, पदोन्नति के लिए साधारणतयः रोक होगी, ऐसा, जिस			

1

2

3

4

5

6

6

ग्रेड अथवा पद अथवा सेवा से
सरकारी कर्मचारी अवनत किया गया
या उस पर बहाली संबंधी और
उसकी ज्येष्ठता तथा उस ग्रेड, पद
या सेवा पर वेतन के बारे में शर्तों
संबंधी अतिरिक्त विदेशों के साथ या
उनके बिना होगा;

(viii) अनिवार्य सेवा निवृत्ति ;

(ix) सेवा से हटाया जाना जो सरकार के
अधीन भावी नियोजन के लिये
निरहता नहीं होगी :

(x) सेवा से पदच्युति जो सरकार के
अधीन भावी नियोजन के लिये
सामान्यतयः निरहता होगी ।

परिशिष्ट "घ"

[देखिये नियम 14 (2)]

क्रम संख्या	पदनाम	आदेश का नाम	आदेश करने के लिये सशक्त प्राधिकारी	अपील प्राधिकारी
1	2	3	4	5
1.	सहायक	(क) पेंशन को नियंत्रित करने वाले नियमों के अधीन अनुज्ञेय सामान्य/अतिरिक्त पेंशन की राशि में कमी करना या रोकना	सचिव, राज्यपाल	सरकार
2.	वरिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक	(ख) अधिवर्षिता के लिए नियत आयु होने से अन्यथा नियुक्ति की समाप्ति		
3.	चालक			
4.	लिपिक/ (स्टोर-कौपर) भंडारी			

वी० एस० ओझा,

मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार ।

[Authorised English Translation]

HARYANA GOVERNMENT

RAJ BHAVAN

Notification

The 4th December, 1992

No. G. S. R. 88/Const/Art. 309/92—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India, the Governor of Haryana hereby makes the following rules regulating the recruitment, and conditions of service of persons appointed to the Haryana Raj Bhavan House-hold establishment (Group C) Service, namely :—

PART-I-GENERAL

Short title.

1. These rules may be called the Haryana Raj Bhavan House-hold Establishment (Group C) service Rules, 1992—

Definitions.

2. In these rules unless the context otherwise requires,—

- (a) "Board" means the Subordinate Services Selection Board, Haryana;
- (b) "direct recruitment" means an appointment made otherwise than by promotion from within the service or by transfer of an official already in the service of the Government of India or any State Government;
- (c) "Government" means the Haryana Government in the Administrative Department;
- (d) "Governor Secretary" means the Secretary to Governor, Haryana;
- (e) "Institution" means—
 - (i) any institution established by law in force in the State of Haryana; or
 - (ii) any other institution recognised by the Government for the purpose of these rules;
- (f) "recognised university" means—
 - (i) any university incorporated by law in India;
 - (ii) in the case of a degree, diploma, or certificate obtained as a result of an examination held before the 15th August, 1947, the Punjab, Sind or Dacca University; or
 - (iii) any other university which is declared by the Government to be a recognised university for the purpose of these rules; and

- (g) "service" means the Haryana Raj Bhavan House-hold Establishment (Group C) service.

PART-II—RECRUITMENT TO SERVICE

3. The service shall comprise the posts shown in Appendix A to these rules :

Number and character of posts.

Provided that nothing in these rules shall affect the inherent right of the Government to make additions to, or reductions in, the number of such posts or to create new posts with different designations and scales of pay, either permanently or temporarily.

4. (1) No person shall be appointed to any post in service, unless he is,—
- (a) a citizen of India; or
 - (b) a subject of Nepal; or
 - (c) a subject of Bhutan; or
 - (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st day of January, 1962, with the intention of permanently settling in India; or
 - (e) a person of Indian origin, who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African Countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia with the intention of permanently settling in India ;

Nationality, Domicile and Character of candidate appointed to the Service.

Provided that a person belonging to any of the categories (b), (c), (d) or (e) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government.

- (2) A person in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to an examination or interview conducted by the Board or any other recruiting authority, but the officer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government.
- (3) No person shall be appointed to any post in the service by direct recruitment, unless he has produced a certificate of character from the principal academic officer of the university, college, school or institution last attended, if any, and similar certificate from two other responsible persons, not being his relatives who are well acquainted with him in his private life and are unconnected with his university, college, school or institution.

5. No person shall be appointed to any post in the service by direct recruitment who is less than seventeen years or more than thirty five years of age on the last date of submission of application to the Board.

Age

Appointing
Authority.

6. Appointment to any post in the Service shall be made by the Governor Secretary.

Qualifications.

7. No person shall be appointed to any post in the service, unless he is in possession of qualifications and experience specified in column 3 of Appendix B to these rules in the case of direct recruitment and these specified in column 4 of the aforesaid Appendix in the case of appointment other than by direct recruitment :

Provided that in case of direct recruitment, the qualifications regarding experience shall be relaxable to the extent of 50% at the discretion of the Board or any other recruiting authority in case sufficient number of candidates belonging to scheduled castes, backward classes, ex-servicemen and physically handicapped candidates, possessing the requisite experience are not available to fill up the vacancies reserved for them, after recording reasons for so doing in writing.

Disquali-
fications.

8. No persons,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any post in the service :

Provided that the Government may, if satisfied, that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

Method of
recruitment.

9. (1) Recruitment to the Service shall be made,—

- (a) in the case of Assistants—
 - (i) by promotion from amongst Clerks; or
 - (ii) by transfer or deputation of an official already in the service of any State Government or the Government of India;
- (b) in the case of Senior Scale Stenographers by transfer or deputation of an official already in the service of any State Government or the Government of India;
- (c) in the case of Drivers—
 - (i) by promotion from motor Cleaner; or
 - (ii) by direct appointment; or
 - (iii) by transfer or deputation of an official already in the service of any State Government or the Government of India;

- (d) in the case of Clerk/Store-Keeper—
 - (i) not more than 20% by promotion from amongst Group C or Group D employees; or
 - (ii) by direct appointment; or
 - (iii) by transfer or deputation of an official already in the service of a State Government or the Government of India.
- (2) All promotions unless otherwise provided, shall be made on seniority-cum-fitness or seniority-cum-merit basis as the case may be, and seniority alone shall not confer any right to such promotions.

10. (1) Persons appointed to any post in the service shall remain on probation, for a period of two years, if appointed by direct recruitment and or year, if appointed otherwise:

Probation.

Provided that—

- (a) any period, after such appointment, spent on deputation on a corresponding or a higher post shall count towards the period of probation;
 - (b) any period of work in equivalent or higher rank prior to appointment to any post in the service may, in the case of appointment by transfer, at the discretion of the appointing authority, be allowed to count towards the period of probation fixed under this rule; and
 - (c) any period of officiating appointment shall be reckoned as period spent on probation, but no person who has so officiated shall, on the completion of the prescribed period of probation be entitled to be confirmed, unless he is appointed against a permanent vacancy.
- (2) If in the opinion of the appointing authority, the work or conduct of a person during the period of probation is not satisfactory, it may—
- (a) if such person is appointed by direct recruitment, dispense with his service; and
 - (b) If such person is appointed otherwise than by direct recruitment,—
 - (i) revert him to his former post; or
 - (ii) deal with him in such other manner as the terms and conditions of his previous appointment permit.
- (3) On the completion of the period of probation of a person the appointing authority may,—
- (a) If his work and conduct has in its opinion, been satisfactory, —
 - (i) confirm such person from the date of his appointment, if appointed against a permanent vacancy; or
 - (ii) confirm such person from the date from which a permanent vacancy occurs, if appointed against a temporary vacancy; or

(iii) declare that he has completed his probation satisfactorily if there is no permanent vacancy; or

(b) if his work or conduct has, in its opinion, not been satisfactory,—

(i) dispense with his service, if appointed by direct recruitment, if appointed otherwise revert him to his former post, or deal with him in such other manner as the terms and conditions of his previous appointment permit; or

(ii) extend his period of probation and thereafter pass such orders as it could have passed on the expiry of the first period of probation:

Provided that the total period of probation, including extension, if any, shall not exceed three years.

Seniority.

11. The seniority, *inter se* of the members of the service shall be determined by the length of continuous service on a post in the service:

Provided that where there are different cadres in the service the seniority shall be determined separately for each cadre:

Provided further that in the case of members appointed by direct recruitment, the order of merit determined by the Board shall not be disturbed in fixing the seniority:

Provided further that in the case of two or more members appointed on the same date, their seniority shall be determined as follows:—

- (a) a member appointed by direct recruitment shall be senior to a member appointed by promotion or by transfer;
- (b) a member appointed by promotion shall be senior to a member appointed by transfer;
- (c) in the case of members appointed by promotion or by transfer, seniority shall be determined according to the seniority of such members in the appointment from which they were promoted or transferred; and
- (d) in the case of members appointed by transfer from different cadres, their seniority shall be determined according to pay, preference being given to a member who was drawing a higher rate of pay in his previous appointments and if the rates of pay drawn are also the same, then by the length of their service in the appointments, and if the length of such service is also the same, the older member shall be senior to the younger member.

Liability to serve.

12. (1) A member of the Service shall be liable to serve any place whether within or outside the State of Haryana on being ordered so to do by the appointing authority.

(2) A member of the Service may also be deputed to serve under:—

- (i) a company, an association or a body of individuals whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the State Government, a municipal corporation or a local authority or university within the State of Haryana; or
- (ii) the Central Government or a company, an association or a body of individuals, whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the Central Government; or
- (iii) any other State Government, an international organisation an autonomous body not controlled by the Government or a private body;

Provided that no member of the service shall be deputed to serve the Central or any other State Government for any organisation or body referred to in clauses (ii) or (iii) except with his consent.

13i In respect of pay, leave, pension and all other matters not expressly provided for in these rules, the members of the service shall be governed by such rules and regulations as may have been or may hereafter be adopted or made by the competent authority under the Constitution of India or under any law for the time being in force made by the State Legislature.

Pay, Leave,
pension and
other matters.

14. (1) In matters relating to discipline, penalties and appeals, members of the service shall be governed by the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 1987 as amended from time to time :

Discipline,
penalties and
appeal.

Provided that the nature of penalties which may be imposed, the authority empowered to impose such penalties and the appellate authority, shall subject to the provisions of any law or rules made under the Constitution of India, be as specified in Appendix C to these rules.

(2) The authority competent to pass and order under clause (c) or clause (d) of sub-rule (1) or rule 9 of the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 1987 and appellate authority shall be as specified in Appendix D to these rules.

15. Every member of the service shall get himself vaccinated or re-vaccinated as and when the Government so directs by a special or general order.

Vaccination.

16. Every member of the service, unless he has already done so, shall be required to take the oath of allegiance to India and the Constitution of India as by law established.

Oath or
allegiance.

**Powers of
relaxation.**

17. Where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

**Special Provi-
sions.**

18. Notwithstanding anything contained in these rules, the appointing authority may impose special terms and conditions in the order of appointment if it is deemed expedient to do so.

Reservations.

19. Nothing contained in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for scheduled caste, backward classes, ex-servicemen, physically handicapped persons or any other class or category of persons in accordance with the orders issued by the State Government, from time to time :

Provided that the total percentage of reservations so made shall not exceed fifty per cent at any time.

**Repeal and
Saving.**

20. Any rule applicable to the service and corresponding to any of these rules which is in force immediately before the commencement of these rules is hereby repealed :

Provided that any order made or action taken under the rules so repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provision of these rules.

APPENDIX 'A'

(See rule 3)

Serial No.	Designation of posts	Number of posts		Total	Scale of pay
		Permanent	Temporary		
1	2	3	4	5	6
1	Assistant	1	1	2	1,400—40—1,600—50—2,300—EB—60—2,600+Rs. 60 Special Pay.
2	Senior Scale Stenographer	—	1	1	1,400—40—1,600—50—2,300—EB—60—2,600+Rs. 60 Special Pay.
3	Driver	4	—	4	1,200—30—1,560—EB—40—2,040+Rs. 300 Special Pay.
4	Clerk	1	—	1	950—20—1,150—EB—25—1,500+Rs. 40 Special Pay.
5	Store Keeper	1	—	1	950—20—1,150—EB—25—1,500+Rs. 40 Special Pay.

APPENDIX 'B'

(See rule 7)

Serial No.	Designation of posts	Academic qualifications and experience, if any, for direct recruitment	Academic qualifications and experience, if any, for appointment other than by direct recruitment
1	2	3	4
1	Assistant	—	Three years experience as Clerk
2	Senior Scale Stenographer	—	(i) At least one year experience as Junior Scale Stenographer. (ii) Passed test in Hindi shorthand at a speed of 80 words per minute and transcription thereof at a speed of 15 words per minute and English shorthand at a speed of 100 words per minute and transcription thereof at a speed of 20 words per minute.
3	Driver	(i) Should have passed Middle standard examination having Heavy Motor Vehicle/Light Motor Vehicle driving licence with five years actual experience of vehicle driving. (ii) Should be able bodied with robust health and normal sight.	(i) Five years experience as Motor Cleaner; and (ii) Possesses licence in Heavy Motor vehicle/light Motor Vehicle driving.

4 Clerk

(i) Matric first division/Higher Secondary Second division/Intermediate second division/Graduate of a recognised University or its equivalent; and

(ii) Knowledge of Hindi upto Matric standard.

For Ex-servicemen, Matric with fifteen years service in the Army and Army Certificate Class-I.

(i) Matric; and

(ii) Five years experience as Group C employee whose scale of pay is less than that of a Clerk or Group D employee or combined experience as such.

5 Store-keeper

(i) Matric First division/Higher Secondary Second division/Intermediate second division/Graduate of a recognised University or its equivalent; and

(ii) Knowledge of Hindi upto Matric Standard.

For Ex-servicemen, Matric with fifteen years service in the Army and Army Certificate Class-I.

(i) Matric; and

(ii) Five years experience as Group C employees whose scale of pay is less than that of a Clerk or Group D employee or combined experience as such.

APPENDIX 'C'

[See rule 14(1)]

Serial No.	Designation of post	Appointing Authority	Nature of penalty	Authority empowered to impose penalty	Appellate authority	Second and final appellate authority if any
1	2	3	4	5	6	7
Minor Penalties						
1	Assistant	Governor Secretary	(i) warning with a copy in the personal file (Character roll);	Governor Secretary	Government	—
2	Senior Scale Stenographer		(ii) censure ;			
3	Driver		(iii) withholding of promotion;			
4	Clerk		(iv) recovery from pay of the whole or part of any pecuniary loss caused by negligence or breach of orders, to the Central Government or a State Government or to a Company and association or body of individuals whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the Government or to a local authority of University set up by an Act or Parliament or of the Legislature or a State; and			
5	Store Keeper					

1	2	3	4	5	6	7
					Government	—
		(v) withholding of increments of pay;				
		(2) Major Penalties—				
		(vi) reduction to a lower stage in the time scale of pay for a specified period with further directions as to whether or not the Government employee will earn increments of pay during the period of such reduction and whether on the expiry of such period, the reduction will or will not have the effect of postponing the future increments of his pay;				
		(vii) reduction to a lower scale of pay, grade, post or service which shall ordinarily be a bar to the promotion of the Government employee to the time scale of pay, grade, post or service from which he was reduced, with or without further directions regarding conditions of restoration to the grade or post or service from which the Government employee was reduced and his seniority and pay on such				

1	2	3	4	5	6	7
			restoration to that grade, post or service;		Government	—
		(viii)	compulsory retirement;			
		(ix)	removal from service which shall not be a disqualification for future employment under the Government;			
		(x)	dismissal from service which shall ordinarily be a disqualification for future employment under the Government.			

APPENDIX 'D'

[See rule 14(2)]

Serial No.	Designation of the posts	Nature of order	Authority empowered to impose penalty	Appellate authority
1	2	3	4	5
1	Assistant	(a) reducing or withholding the amount of ordinary or additional pension admissible under the rules governing pension ;	Governor Secretary	Government
2	Senior Scale Stenographer			
3	Driver	(b) terminating the appointment otherwise than on his attaining the age fixed for superannuation.		
4	Clerk			
5	Store-Keeper			

B. S. OJHA,

Chief Secretary to Government, Haryana.

HARYANA GOVT GAZ. DEC. 15, 1992
(AGHN. 24, 1914 SAKA)

1625